>

Title: Issue regarding crop failure due to heavy rain in Madhya Pradesh.

श्री नारायण सिंह अमलाबे (राजगढ़): माननीय सभापति महोदय, वर्तमान में मध्य प्रदेश राज्य अतिवृष्टि के कारण कुदरत के कहर से जूझ रहा है। जून माह में खरीफ की फसल की बोनी के बाद प्रदेश में लगातार बारिश जारी है। प्रदेश के कई इलाकों में भारी बाढ़ के हालात बनने व अतिवृष्टि से लगभग पूरे प्रदेश में खरीफ की फसलें नष्ट हो गई हैं। मेरे संसदीय क्षेत्र राजगढ़ में भी अतिवृष्टि के चलते खरीफ का सम्पूर्ण रक्बा नष्ट हो चुका है व शत-प्रतिशत नुकसान के हालात बन चुके हैं।

किसानों का दर्द यह है कि प्रकृति के बिगड़ते संतुलन से गत रबी सीजन में भी ओले-पाले से फसलों को बहुत भारी नुकसान हुआ था, जिसका वाजिब मुआवजा वितरित करने में भी राज्य सरकार नाकाम रही है। जितना नुकसान था, उतना मुआवजा नहीं दिया गया है। मेरे संसदीय क्षेत्र राजगढ़ की हकीकत यह है कि 75 प्रतिशत से अधिक नुकसान जिन किसानों का हुआ, मात्र उनको ही मुआवजा दिया गया है, जिसमें भी पक्षपात व मनमानी हुई है, जिसके कारण हजारों किसान उचित मुआवजे से वंचित रह गये हैं।

प्रकृति के अतिवृष्टि के रूप में इस कहर के समय राज्य सरकार का यह परम कर्तव्य बनता है कि संसदीय क्षेत्र राजगढ़ सहित पूरे प्रदेश में तत्काल सर्वे करवाये और शीघ्र मुआवजा वितरित करे। साथ ही साथ खरीफ के लिए दिया गया सम्पूर्ण ऋण माफ करें, बिजली के बिलों का भुगतान राज्य सरकार करे तथा राजस्व सहित किसी भी प्रकार की वसूली भी आगामी एक वर्ष तक स्थगित रखी जाये।

अन्त में एक महत्वपूर्ण अनुरोध यह है कि प्रभावित किसानों के भरण-पोषण के लिए अनाज की व्यवस्था भी करे। आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपको धन्यवाद।

सभापति महोदय: मैं माननीय सदस्यों से अनुरोध करूंगा कि कृपया वे अपने विषय को उठाने के बाद भी सदन में बने रहें।